वर्ष-15, अंक-173
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार
घृणा को घृणा से खत्म नहीं किया जा सकता है, बल्कि इसे प्रेम से ही खत्म किया जा सकता है।

बिहार सिटी चीफ

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM
बिहार, शुक्रवार, 27 सितम्बर 2024
सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

सोशल मीडिया पर टैग करने के बाद हुई कार्रवाई

बिहारी छात्रों को धमकाने वाला आरोपी बंगाल में धराया

सिलीगुड़ी। बिहार से सिलीगुड़ी परीक्षा देने गए युवकों को धमकाने वाले आरोपी को बंगाल पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। आरोपी रजत भट्टाचार्य है जो बांग्ला पक्खो नामक कट्टरपंथी संगठन का एक सदस्य है।

वीडियो वायरल होने पर बंगाल सरकार की खूब हुई किरकिरी

दरअसल बिहार के कुछ छात्र एसएसबी की परीक्षा देने सिलीगुड़ी गए थे। परीक्षार्थी एक ही कमरे में थे।तभी बांग्ला पक्खो नाम के कट्टरपंथी संगठन के लोग वहां पहुंचे और छात्रों को धमकाने लगे। आरोपियों ने छात्रों से कहा कि, बिहार का होकर तुमलोग बंगाल में नौकरी करने क्यों आये हो?

इस दौरान उनलोगों के साथ मारपीट करने की भी कोशिश की गई। इस घटना के दौरान उनमें से एक ने उस घटना का वीडियो बना लिया और फिर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया।

वीडियो वायरल होने के बाद सोशल मीडिया पर लोगों ने जमकर इस पर प्रतिक्रिया जाहिर की। लोगों ने बंगाल सरकार को जमकर कोसा। इस दौरान पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की भी खूब किरकिरी हुई।

वीडियो वायरल होने पर बिहार पुलिस ने बंगाल पुलिस से कार्रवाई करने की मांग की

वीडियो वायरल होने के बाद बिहार पुलिस ने इस मामले की गंभीरता को समझते हुए बंगाल पुलिस के सोशल मीडिया पर टैग कर आवश्यक कार्रवाई करने की पहल की।

इसके बाद पश्चिम बंगाल की सिलीगुड़ी पुलिस हरकत में आई और आरोपी की पहचान करते हुए आरोपी रजत भट्टाचार्य को कुछ ही घंटे में गिरफ्तार कर लिया।

पूर्व विधायक ने दी चेतावनी

वीडियो वायरल होने के बाद ठाकुरगंज के पूर्व विधायक गोपाल कुमार अग्रवाल ने प्रतिक्रिया देते हुए पश्चिम बंगाल की ममता सरकार की कड़ी निन्दा की और आरोपी पर कानूनी कार्रवाई करने की मांग की। उन्होंने बिहार के इंडिया गठबंधन पर जमकर निशाना साधा।

साथ ही बंगाल सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि हमारे बिहार में बहुत बड़े पैमाने पर बंगाल और अन्य रायो के लोग शिक्षा, रेल व अन्य क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं।

इस वीडियो को देखते हुए कहीं ये लोग शुरू हो गये, तब तब क्या होगा।

उन्होंने बंगाल सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि ऐसे गलत लोगों के खिलाफ कार्रवाई कर देश को एक अछा संदेश दे, ताकि बिहार या अन्य राय में बंगाल के लोग शांति से कार्य कर सकें।

किसी तरह जान बचाकर भागे दरोगा-सिपाही

बिहार में पुलिस टीम पर हमला इतनी सी बात पर बेरहमी से पीटा

बिहार में पुलिस भी सुरक्षित नहीं है। मामूली सी बात पर बदमाशों ने पुलिस को बेरहमी से पीटा। दरोगा-सिपाही किसी तरह अपनी जान बचाकर भागे। अब इस घटना का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। ताजा मामला नवादा जिले के नारदीगंज थाना क्षेत्र का है। कहुआरा गांव के पास जहां पुलिस गश्त कर रही डायल 112 के पुलिसकर्मियों को बदमाशों ने लाठी डंडे से हमला कर मारपीट कर जख्मी कर दिया। अब मारपीट की घटना एक वीडियो भी वायरल हो रहा है। इसमें डायल 112 की टीम की गाड़ी है। सड़क पर तीन पुलिस वाले और 4-5 लोगों में कुछ बहस होती दिख रही है। इसके बाद कुछ लोग पुलिस के ड्राइवर को पीटने लगे।

मारपीट के दौरान दरोगा और एक महिला पुलिस कर्मी उन्हें बचाने की कोशिश करते हैं। इस दौरान लोग पुलिस वालों को गंदी गंदी गालियां देते भी है। उसके बाद में 4-5 की संख्या में रहे लोग दरोगा से भी उलझ जाते हैं। दो लोग उन्हें भी मारने लगते हैं।

पहले खेत में खींचकर ले गए फिर सड़क पर लेटा कर पीटा

बदमाशो ने पुलिस वालों को पहले खेत में खींचकर ले गए। यहां पर डंडे, लाते-घूंसे से मारपीट की। इसके बाद सड़क पर लेटा कर डंडे से मारने लगे। इस दौरान पुलिस कर्मी किसी तरह खुद को बचाते हुए अपनी गाड़ी में बैठते दिखे।

इस मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से शेयर हो रहा है। वायरल वीडियो की पुष्टि करते हुए नारदीगंज थाना प्रभारी गिरीश प्रसाद ने कहा कि मारपीट की घटना सोमवार को हुई थी। डायल 112 की पुलिस टीम पर कुछ बदमाशों ने हमला कर दिया। उनकी पहचान कर ली गई है। मामले में 2 लोगों को नामजद अभियुक्त और अन्य लोगों को अज्ञात बताते हुए आरोपित बनाया गया है।

डायल 112 पुलिस को गाली देने से शुरू हुआ था विवाद

बताया जाता है कि डायल 112 की पुलिस गाड़ी जा रही थी। इस बीच कुछ लोगों ने पुलिस को गाली दी। इसके बाद पुलिस कर्मियों ने गाड़ी रोक कर बदमाशों से पूछताछ किया । इसके बाद विवाद इतना बढ़ गया कि पुलिस ड्राइवर को एक युवक ने थप्पड़ मार दिया। इस दौरान दोनों तरफ से मारपीट शुरू हो गई। सभी लोग एक साथ मिलकर पुलिस टीम पर टूट गए और लाठी से मारना शुरू कर दिया।वीडियो में पुलिस टीम के ड्राइवर शक्ति कुमार के साथ पहले मारपीट की गई और फिर डायल 112 के ही पीटीसी दारोगा सत्यानंद कुमार के साथ मारपीट की गई। वहीं महिला पुलिस कर्मी ममता कुमारी के साथ भी मारपीट की गई।

CM नीतीश ने अशोक चौधरी को दिया बड़ा पद

बिहार सरकार के मंत्री और जेडीयू नेता अशोक चौधरी को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बड़ा तोहफा दिया है। नीतीश ने मंत्री अशोक चौधरी को जेडीयू का राष्ट्रीय महासचिव नियुक्त किया है। आपको बता दें कि बीते दिनों अशोक चौधरी ने नीतीश कुमार को लेकर विवादित बयान दिया था। उन्होंने इशारों में सोशल मीडिया पर सीएम नीतीश की बढ़ती उम्र पर निशाना साधा था। हालांकि, अब नीतीश कुमार, अशोक चौधरी पर मेहरबान हो गए हैं।

तत्काल प्रभाव से नियुक्ति

जनता दल यूनाइडेट की ओर से अशोक चौधरी की नियुक्ति को लेकर जानकारी साझा की गई है। जारी की गई प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार ने बिहार सरकार के मंत्री अशोक चौधरी को तत्काल प्रभाव से जेडीयू का राष्ट्रीय महासचिव नियुक्त किया है। मंत्री अशोक चौधरी ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में कविता लिखी थी- बढ़ती उम्र में इन्हें छोड़ दीजिए।।

एक दो बार समझाने से यदि कोई नहीं समझ रहा है तो सामने वाले को समझाना छोड़ दीजिए। बच्चे बड़े होने पर वो खुद के निर्णय लेने लगे तो उनके पीछे लगना, छोड़ दीजिए। अशोक चौधरी के इस पोस्ट से माना गया कि उन्होंने सीएम नीतीश की बढ़ती उम्र पर निशाना साधा है। जेडीयू के मुख्य प्रवक्ता नीरज कुमार ने अशोक चौधरी के इस पोस्ट पर आपत्ति जताई थी। उन्होंने कहा था कि सीएम नीतीश को किसी के सुझाव की जरूरत नहीं है।

सीएम नीतीश से हुई थी मुलाकात

विवाद के बाद अशोक चौधरी की सीएम नीतीश कुमार से मुलाकात हुई थी। डेढ़ घंटे तक चली मुलाकात के बाद सीएम हाउस से निकलने के बाद अशोक चौधरी ने सीएम नीतीश के साथ तस्वीर शेयर की थी।

इसके साथ ही उन्होंने लिखा था कि कुछ तो लोग कहेंगे, लोगों का काम है कहना.

बिहार के हाजीपुर में मोबाइल लाइट की रोशनी में कराई गई महिला की डिलीवरी

खुली स्वास्थ्य व्यवस्था की पोल

हाजीपुर। बिहार के हाजीपुर में सरकारी अस्पताल का बुरा हाल है। प्रदेश में स्वास्थ्य व्यवस्था की पोल खोलते हुए का एक वीडियो सामने आया है। 20 दिन पहले जिस अस्पताल को नई बिल्डिंग में शिफ्ट कर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने रिमोट कंट्रोल से उद्घाटन किया था। उसका हाल बुरा है। यहां पर रेगुलर लाइट तक की सुविधा नहीं है। इस सरकारी अस्पताल में मोबाइल की लाइट में एक महिला का प्रसव कराया गया। मामला सामने आने के बाद स्वास्थ्य अधिकारी हरकत में आए और जांच के लिए अस्पताल पहुंचे।

आधी रात में डिलीवरी के लिए पहुंची थी महिला

जानकारी के अनुसार, हाजीपुर शादी प्रखंड के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में बीती रात करीब 1:30 बजे दर्द से छटपटाती महिला पार्वती देवी बच्चे को जन्म देने के लिए अपने परिवार के साथ अस्पताल पहुंची तो पूरे अस्पताल में अंधेरा था। हालांकि अस्पताल में डॉक्टर और स्वास्थ्य कर्मचारी तैनात थे। महिला की हालात को देख डॉक्टर और स्वास्थ्य कर्मचारियों ने देसी जुगाड़ लगाया और मोबाइल लाइट और टॉर्च के रोशनी पर ही महिला का इलाज और डिलीवरी कराना शुरू कर दिया। लाइट नहीं होने पर डॉक्टरों ने महिला की डिलीवरी अंधेरे में ही कराई।

गोपालगंज में नौ साल के बच्चे का अपहरण

दरवाजा पर खेल रहा था, बाइक पर बैठा कर फरार हो गए अपराधी

गोपालगंज जिले के फुलवरिया थाना क्षेत्र के मजिरवा कला गांव में गुरुवार की शाम को दरवाजे पर खेल रहे 10 वर्षीय बच्चे को बाइक सवार अपराधी ने अगवा कर लिया। बाइक सवार बदमाश बच्चे को अगवा कर भोरे के तरफ फरार हो गया। अपहृत बच्चा जिले के हथुआ थाना क्षेत्र के समइल गांव निवासी कुंदन सिंह का पुत्र अनीश कुमार बताया जाता है, जो अपनी मां जीवन ज्योति देवी के साथ मामा के गांव मजिरवा कला में रहकर पढ़ाई करता था। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया है। वहीं, सूचना पाकर पहुंची फुलवरिया थाने की पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज की जांच की और बच्चा की सकुशल बरामदगी का भरोसा परिजनों को दिलाते हुए छानबीन में जुट गयी है।

पुलिस को कोई सुराग हाथ नहीं लगा

पुलिस को एक सीसीटीवी फुटेज भी हाथ लगा है

जिसमें अपहर्ता बच्चा को बाइक पर आगे बैठाकर लेकर जाते हुए दिख रहा है। बच्चे को अगवा करनेवाला अपहर्ता पीले रंग की फुल शर्ट पहना हुआ है और सिर में हेलमेट लगा हुआ है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज से अपहर्ता की तस्वीर को जारी करते हुए लोगों से इसके देखे जाने पर सूचना देने की अपील की है।

वहीं इस मामले में फुलवरिया थानाध्यक्ष कैप्टन शाहनवाज तथा अपर थानाध्यक्ष विक्रम कुमार पुलिस बल के साथ बच्चे की बरामदगी के लिए कई ठिकानों पर ताबड़तोड़ छापेमारी भी कर रहे हैं। हालांकि शुक्रवार की सुबह तक बच्चे के बारे में पुलिस को कोई सुराग हाथ नहीं लग सका है।

पिता विदेश में नौकरी करते हैं

परिजनों के अनुसार, अगवा बच्चा हथुआ थाना क्षेत्र समइल गांव निवासी कुंदन सिंह का 10 वर्षीय पुत्र अनीश कुमार है। अनीश के पिता विदेश में नौकरी करते हैं। वह अपनी मां के साथ मामा के गांव मजीरवा कला में रहकर पढ़ाई करता था। अगवा छात्र के मामा उपेंद्र सिंह ने बताया कि अनीश की पढ़ाई को लेकर मेरी बहन जीवन ज्योति देवी मजिरवा कला बाजार में जमीन खरीद कर घर बनवाकर पढ़ाई करवा रही थी। वहीं, पुलिस तह तक जानकारी जुटाने में लगी है। फिलहाल इस मामले में एफआइआर दर्ज नहीं की गयी है। वहीं परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है।